

प्रश्न → क्रमवैल का जीवन परिचय लिखें।

उत्तर → (अप्रैल 1653 ई में रम- को मंग किया गया तथा क्रमवैल का संस्कार- काल प्रारंभ हुआ, जिसकी समाप्ति दिसम्बर 1658 ई में हुई। क्रमवैल का जन्म 1599 ई में वडोदा नामक स्थान पर हुआ था। उसका पिता एक बनी परिवार अर्थात् गरीब था। क्रमवैल ने सिडनी कॉलेज एवं केम्ब्रिज में शिक्षा प्राप्त की। उन्नीस वर्ष की आयु में वह 1628 ई में संसद का सदस्य बना। क्रमवैल चार्ल्स प्रथम की अत्याचारी से परेशान हो चुका था अतः वह इंग्लैंड छोड़कर गाने वाला हो आया कि इंग्लैंड में यह युद्ध शुरू हो गया। क्रमवैल को राजा का विरोध करने का अवसर मिल गया। उसने संसद की ओर से न्यू मॉडल आर्मी नामक युद्धबाज सेना बनाई जिसे लौह सेना भी कहा जाता है। इस सेना ने संसद की यह युद्ध में विजय में मददगार भूमिका निभाई। क्रमवैल स्वयं भी अपनी सेना को प्रशिक्षण करता था। उसका कहना था कि उसकी सेना में न तो ईश्वर-निन्दक थे, न राजा-पीने वाले, न तो कोई भी यह शिक्षा दी थी कि 'ईश्वर में विश्वास रखो तथा अपनी वास्तविक क्षमताओं को खोजो'।

लौह सेना की निन्दक विचारों के परिणामस्वरूप क्रमवैल इंग्लैंड में अलायन लोकप्रिय एवं सर्वोच्च हो गया तथा चार्ल्स को मृत्युदण्ड देने के बाद उसने रम की स्थापना की थी। 1653 ई में रम को भी मंग करके वह गिरंश शासन बन गया। क्रमवैल की इच्छा थी कि वह ऐसी संसद की स्थापना की जाये जो मध्यगी द्वारा स्थापित रूप से चुनी गयी हो तथा जो कानून का पालन करे। इसके अतिरिक्त एक ऐसी सरकार की स्थापना हो जिसके मुख्य उद्देश्य इंग्लैंड की जनता को नैतिक आदर्शों की ओर ध्यान देना हो, किन्तु क्रमवैल की यह इच्छा एक युद्ध के विपरीत थी, अतः लोगों का ध्यान सेना असाधारण था था।

प्रश्न